हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, रविवार 11 अक्टूबर 2026

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

नरवाई जलाने की घटनाओं पर रोक लगाने 14 अक्टूबर को होगी उच्च स्तरीय बैठक

मण्डला। खरीफ फसल कटाई के दौरान खेतों में नरवाई जलाने की घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाने तथा राज्य स्तरीय नरवाई प्रबंधन योजना की समीक्षा के लिए 14 अक्टूबर 2026 को उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक की अध्यक्षता मध्यप्रदेश शासन के मुख्य सचिव करेंगे। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार बैठक अपराह्न 4 बजे मंत्रालय स्थित मुख्य सचिव के प्रतिकक्ष में आयोजित होगी। इसमें नरवाई जलाने की घटनाओं को रोकने के लिए प्रभावी कार्ययोजना तैयार करने तथा नरवाई प्रबंधन के उपायों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के समस्त संभागायुक्त, जिला कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक तथा मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी, मध्यप्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी एवं मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक शामिल होंगे। इसके अतिरिक्त कृषि उत्पादन आयुक्त, गृह, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, राजस्व तथा ऊर्जा विभाग के अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव एवं सचिव, पुलिस महानिदेशक और किसान कल्याण तथा कृषि विकास एवं कृषि अभियांत्रिकी विभाग के संचालक भी बैठक में सहभागिता करेंगे। बैठक में नरवाई प्रबंधन के लिए विभागीय समन्वय और प्रभावी उपायों पर चर्चा की जाएगी।

शांति और सद्भाव के साथ मिल-जुलकर मनाएं त्यौहार-कलेक्टर

आज से रहेगी दुर्गोत्सव की धूम





*** शक्ति पीठों पर श्रद्धालुओं की लगेगी कतारें।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

शक्ति की आराधना का महापर्व प्रारंभ होने जा रहा है सार्वजनिक पंडालों में जहां-जहां प्रतिमायें स्थापित होनी है वहां लगभग तैयारियाँ पूर्ण हो चुकी हैं इस वर्ष का दुर्गोत्सव प्रत्येक वर्षो की अपेक्षा अत्याधिक भव्य होने वाला है हर वर्ष की तरह कृषि उपज मंडी, बड़ी खैरी दुर्गोत्सव, युवम परिवार द्वारा मनाया जाने वाला दुर्गोत्सव, बुधवारी बाजार, बिंझिया, बस स्टैण्ड और उदय चौक तथा कोष्टा मौहल्ला स्थापित होने वाली माता महाकाली लोगों के आकर्षण का केन्द्र रहेंगी। इसके अलावा जो नगर एवं जिले के शक्ति पीठ हैं उन पर भी भोर से ही श्रद्धालुओं की भीड़ जुटने वाली है। पर्व को देखते हुये प्रशासन ने भी पर्याप्त तैयारियाँ की हुई हैं।

आयोजित हुई शांति समिति की बैठक

जिला योजना भवन में कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे की अध्यक्षता में आगामी दुर्गोत्सव, दशहरा और शरद पूर्णिमा पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने हेतु जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में दुर्गा अष्टमी 18 अक्टूबर को, दशहरा 20 अक्टूबर को एवं शरद पूर्णिमा 26 अक्टूबर को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा, स्वच्छता और व्यवस्थापन को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

कलेक्टर श्री धोटे ने कहा कि नवरात्रि का पावन उत्सव में आयोजन समितियों का सहयोग आवश्यक है। हमारा आग्रह है कि आयोजन समितियां पंडालों में केवल मिट्टी से निर्मित दुर्गा प्रतिमाओं की स्थापना करें जिनमें हर्बल और जैविक रंगों का उपयोग हो। प्लास्टर ऑफ पेरिस तथा रासायनिक रंगों का प्रयोग पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। प्रतिमा स्थापना हेतु अनुविभागीय दंडाधिकारी मण्डला से अनुमति लेना अनिवार्य होगा। गणेश उत्सव में नैनपुर में हुई अप्रिय घटना की चर्चा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि सभी समितियों की जिम्मेदारी है कि वह अस्थायी कनेक्शन लेकर पर्याप्त सुरक्षा सुनिश्चित करें। उन्होंने विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि टीसी कनेक्शन लगाते समय ही सुरक्षा सुनिश्चित कराएं। पंडालों एवं लोहे के खंभों पर बिजली के तारों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। पंडालों में रात्रि के समय समिति के सदस्यों एवं वालंटियर्स की मौजूदगी अनिवार्य होगी, जिसकी सूची प्रशासन को सौंपनी होगी। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि मुख्य मार्गों एवं चौराहों पर आवागमन बाधित न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। विसर्जन जुलूस के दौरान भारी वाहनों का प्रवेश वर्जित रहेगा और निर्धारित रूट तथा समय सीमा का कड़ाई से पालन किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि भंडारा स्थलों एवं पंडालों में डस्टबिन की पर्याप्त व्यवस्था रखी जाए। प्रसाद वितरण में सिंगल यूज प्लास्टिक, डिस्पोजल व दोना-पत्तल का उपयोग पूरी तरह वर्जित रहेगा। कलेक्टर श्री धोटे ने कहा कि हमें मां की आराधना के इस पर्व को उत्साह से मनाना है उन्माद से नहीं। उन्माद नुकसानदायक होता है। उन्होंने कहा कि कोलाहल नियंत्रण अधिनियम का कड़ाई से पालन किया जाएगा। प्रशासन द्वारा पर्व के दौरान निरंतर पुलिस गश्त, चिकित्सा दल की उपलब्धता तथा कंट्रोल रूम में फायर ब्रिगेड को अलर्ट मोड पर रखने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर ने सभी नागरिकों और आयोजन समितियों से सांप्रदायिक सद्भाव बनाए रखते हुए त्योहारों को हर्षोल्लास के साथ मनाने की अपील की।



बिछिया ब्लॉक एवं नगर कांग्रेस कमेटी की संगठनात्मक बैठक संपन्न



*** संगठन सृजन अभियान एवं बूथ स्तर पर संगठन की मजबूती को लेकर हुई चर्चा।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला/भुआबिछिया

दिनांक 10 अक्टूबर 2026, शनिवार को सामुदायिक भवन मुख्य बाजार स्थल बिछिया में ब्लॉक एवं नगर कांग्रेस कमेटी की महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में संगठन सृजन अभियान, आगामी कार्यक्रमों, बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत बनाने तथा मतदाता सूची एवं BLA-2 के कार्यों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

कांग्रेस की रीति नीति से प्रभावित होकर बिछिया के वरिष्ठ नागरिक स्वर्गीय चंदन परते के सुपुत्र रिटायर्ड तहसीलदार सुरेश परते ने जिला अध्यक्ष डॉक्टर अशोक मर्शकोले के समक्ष कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की।

बैठक में जिला कांग्रेस कमेटी मंडला के अध्यक्ष डॉ. अशोक मर्सकोले, जिला संगठन महासचिव राजेन्द्र राजपूत, बिछिया ब्लॉक/नगर कांग्रेस प्रभारी विनोद पटेल एवं अशोक राजपूत, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष प्रदीप गोस्वामी तथा नगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष शशांक गोस्वामी सहित कांग्रेस के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बैठक में संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने, कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय स्थापित करने तथा आगामी कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से संचालित करने पर जोर दिया गया। साथ ही मतदाता सूची से संबंधित कार्यों को गंभीरता से पूरा करने एवं बूथ स्तर पर सक्रियता बढ़ाने के लिए कार्यकर्ताओं से आह्वान किया गया।

इस कार्यक्रम में जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष अशोक मर्शकोले, जिला संगठन महासचिव राजेंद्र राजपूत, जोश सिंह ठाकुर शिवानंद गोस्वामी टेकराम राय झुन्ना ठाकुर पार्षद विकास ग्वले नारायणी साहू त्रिवेणी तेकाम संतोषी मोगरे अशोक ज्योतिषी अरूण पांडे प्रणव लोध विकास पांडे टोनी मिश्रा अमन राजपूत इरशाद खान अक्षत झारिया निखिल राजपूत डमरू राजपूत सोनू साहू राजेन्द्र कुलस्ते चमन यादव घनश्याम अहिरवार रतन पन्द्रों मोहन पटेल रियाज खान रोहित साहू कलीराम मार्को कमलेश उईके समेत सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

केंद्रीय विद्यालय, मोंटफोर्ट व भारत ज्योति ने जीते अपने मुकाबले

*** रविवार को अंतर शालेय बालक वर्ग फुटबॉल प्रतियोगिता में होंगे 4 मैच।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

स्थानीय महात्मा गांधी स्टेडियम में जिला फुटबाल संघ एवं खेल एवं युवा कल्याण विभाग मंडला के संयुक्त तत्वाधान में अंतर शालेय बालक वर्ग फुटबॉल प्रतियोगिता के तीसरे दिन शनिवार को खेले गए तीन मैच में पहला मैच केंद्रीय विद्यालय संगठन और नेहरू शाला महाराजपुर के बीच खेला गया। इस मैच में केंद्रीय विद्यालय ने शिवम मार्को के दो गोलों की मदद से नेहरू शाला महाराजपुर को दो शून्य से मात दी। दूसरा मैच शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 2 और मोंटफोर्ट स्कूल के बीच खेला गया। इस मैच में मोंटफोर्ट ने क्रमांक 2 को एक के मुकाबले तीन गोलों से मात दी। मोंटफोर्ट की ओर से अनमोल मिश्रा ने दो और यश ने एक गोल किया, तो वही क्रमांक 2 की तरफ से एकमात्र गोल सुमित ने किया। शनिवार का तीसरा व अंतिम मैच भारत ज्योति विद्यालय व अमल ज्योति विद्यालय के मध्य खेला गया। इस संघर्षपूर्ण मुकाबले में समीर पैंड्रो के गोल की मदद से भारत ज्योति विद्यालय ने अमल ज्योति को एक शून्य से शिकायत दी। रविवार को चार मैच खेले जाएंगे। पहला मैच क्रमांक 2 व बेल वेदर के मध्य खेला जाएगा। दूसरा मैच मोंटफोर्ट व अमल ज्योति के मध्य होगा। तीसरा मैच ज्ञानदीप स्कूल और एक्सीलेंस स्कूल के मध्य खेला जाएगा। चौथा व अंतिम मैच केंद्रीय विद्यालय व ब्रेन चाइल्ड के बीच खेला जाएगा। इस दौरान जिला हॉकी संघ के सचिव सैयद कमर अली, जिला फुटबाल संघ के संरक्षक डॉ. दिलीप शर्मा, अनिल सोनी, अनूप बासल, चंद्रेश खरे, उपाध्यक्ष सत्यनारायण अग्रवाल, सचिव पंकज उसराठे, मतीन खान, समीर बाजपाई, सैयद सिकंदर अली, अभिषेक यादव, प्रथम चौकसे, रमन चौरसिया, ऋषि राय, योगेश चौरसिया, मिनी सिंह, अविनाश पापलर जैन,शशांक चौबे, सुरजीत नायर कुट्टन उपस्थित थे।





गरबा | **वीरांगना क्षत्राणी गरबा में पारंपरिक वेशभूषा में शामिल होंगी।**

नारी शक्ति करेगी लेजियम और तलवार के साथ गरबा

*** विभिन्न आयु वर्ग की बालिकाएं और महिलाएं होंगी शामिल।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

नारी शक्ति, साहस और शौर्य की संस्कृति को प्रदर्शित करने के उद्देश्य से मंडला में वीरांगना क्षत्राणी गरबा का आयोजन किया जा रहा है। वीरांगना दल समिति के तत्वाधान में होने वाले इस अनूठे आयोजन में बालिकाएं और महिलाएं पारंपरिक गरबा के साथ लेजियम, तलवार और शस्त्रों का प्रदर्शन करेंगी।





आयोजन में पारंपरिक नृत्य के साथ वीरता और आत्मरक्षा की भावना का संगम देखने को मिलेगा। इसके लिए उत्कृष्ट विद्यालय परिसर में सुबह और शाम को नियमित प्रशिक्षण चल रहा है। इसमें आर्योदय गुरुकुलम जयपुर से आए आचार्य सत्यम और मंडला से वीरांगना दल संयोजिका प्रीति मौर्य द्वारा नियमित रूप से प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को गरबा की बारीकियों के साथ लेजियम और तलवार के साथ प्रस्तुति देने का अभ्यास कराया जा रहा है।

काशी विश्वनाथ वैदिक गुरुकुल, गाजीपुर के विशेष सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में 16 अक्टूबर को कृषि उपज मंडी परिसर में गरबा का आयोजन होगा। वहीं 17 अक्टूबर को युवम परिवार परिसर इंडोर स्टेडियम के समीप शस्त्र पूजन के साथ साहसिक गरबा की भव्य प्रस्तुति दी जाएगी।

आयोजन में प्रतिभागियों के लिए पारंपरिक वेशभूषा निर्धारित की गई है। खास बात यह है कि इसमें विभिन्न आयु वर्ग की महिलाओं के साथ नन्ही बालिकाएं भी उत्साह से भाग ले रही हैं। समिति का उद्देश्य बालिकाओं और महिलाओं में आत्मविश्वास, आत्मनिर्भरता तथा सशक्तिकरण की भावना को बढ़ावा देना है। यह आयोजन पारंपरिक गरबा कला को नया आयाम देने के साथ भारतीय संस्कृति, नारी शक्ति और शौर्य की परंपरा को भी प्रदर्शित करेगा।

राशि पूरी खर्च कर दी गई लेकिन शौचालय निर्माण अभी भी अधूरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला



जिले में ऐसे सैकड़ों निर्माण कार्य हैं जिनकी लागत राशि पूरी तरह खर्च कर दी गई है लेकिन निर्माण कार्य आज भी अधूरे पड़े हैं अब जबकि निर्माण कार्य पूरे नहीं किये गये तो फिर उनकी लागत राशि कहां और किसने खर्च कर दी।

जिला प्रशासन कहने को तो निर्माण कार्यो की लगातार समीक्षा करता रहता है और साथ ही चेतावनी भी जारी करता है कि जहां भी गुणवत्ताहीन निर्माण कार्य होंगे उसके दोषियों को दण्डित किया जायेगा और दोबारा से गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य कराये जायेंगे अब समझ से परे यह बात है कि जिले की निर्माण एजेंसियों की समीक्षा बैठक कलेक्टर लेते हैं जिसमें जनपद जिला के अलावा विभिन्न निर्माण एजेंसियाँ उनके अधिकारी शामिल होते हैं और बैठक महज निर्देश जारी कर समाप्त हो जाती है। क्या बैठक में निर्माण कार्यो की सूची मंगाई जाती है, उनकी वर्तमान स्थिति जांची जाती है, उस निर्माण कार्य को लेकर कितनी राशि कब-कब आहरित की गई क्या उस पर गंभीरता से चर्चा होती है, निर्माण कार्यो के जो मूल्यांकन किये गये क्या वे ईमानदारी के साथ किये गये हैं अथवा नहीं और निर्माण कार्य की गुणवत्ता तथा समय पर निर्माण कार्य नहीं होने के पीछे कौन दोषी है इन बिन्दुओं पर भी क्या चर्चा होती है यदि होती है तो फिर कैसें आधे घंटे में बैठक निर्देश जारी कर समाप्त कर दी जाती है। इससे स्पष्ट संदेश जाता है कि जिला प्रशासन निर्माण कार्यो की गुणवत्ता और जिम्मेदारों के प्रति कितना गंभीर है। कल बैठक हुई और आज यह मुद्दा प्रकाश में आया जो शौचालय निर्माण का है यह विकासखण्ड मोहगांव का मामला है जहां पर राशि तो पूरी आहरित कर ली गई लेकिन निर्माण के नाम पर आज भी सिर्फ जर्जर दीवारें ही नजर आ रही हैं।

जरूरतमंद विद्यार्थियों को बांटी गई शैक्षणिक एवं खेल सामग्री



हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक-2, मंडला में जिला स्तरीय 'सेवा संकल्प कार्यक्रम 2026' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य जरूरतमंद विद्यार्थियों को शैक्षणिक सहायता उपलब्ध कराना तथा उनमें सामाजिक उत्तरदायित्व एवं सेवा भावना विकसित करना रहा। इस अवसर पर विद्यार्थियों को स्कूल बैग, पाठ्य सामग्री, खेलकूद सामग्री एवं 'प्रोजेक्ट संकल्प' के अंतर्गत अभ्यास पुस्तिकाओं का वितरण किया गया।

जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम ने कहा कि छोटे-छोटे सेवा कार्य भी समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने युवाओं से सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देने तथा स्वच्छता, शिक्षा और पर्यावरण संरक्षण जैसे क्षेत्रों में सक्रिय सहभागिता निभाने की अपील की।

नगर पालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा ने अपने संबोधन में कहा कि छोटे-छोटे लक्ष्यों की प्राप्ति में प्रत्येक नागरिक का योगदान महत्वपूर्ण होता है। उन्होंने युवाओं से आधुनिक शिक्षा के साथ भारतीय संस्कृति, संस्कारों एवं सामाजिक मूल्यों को अपनाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में समाजसेवी प्रफुल्ल मिश्रा,सहायक आयुक्त, जनजातीय कार्य विभाग डॉ. अरुण शुक्ला, विकासखंड शिक्षा अधिकारी रंजीत गुप्ता, विद्यालय की प्राचार्य कल्पना नामदेव एवं एपीसी मुकेश पांडे सहित अन्य अधिकारी, शिक्षक एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

शारदेय नवरात्र पर्व के चलते बाजार में हुई रौनक की वापसी

नगर में जगह जगह सजे पंडालों में विराजेगी माँ जगदम्बे की प्रतिमाएं आज, सुबह की बेला में देवी मंदिरों पर जल ढारने वाली महिलाओं की उमडेगी भीड़..






हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। पितृपक्ष के चलते बीते हुये 15 दिनों से बाजार में आया ठहराव कल शनिवार को समाप्त होते दुकानों पर रौनकता दिखाई देने की शुरूआत हो चुकी है। क्योंकि आज से शुरू हो रहे शारदेय नवरात्र पर्व के चलते जब बाजार में रौनक की वापसी हुई। इस समय नवरात्र की शुरूआत होने के कारण बाजार में फलहारी सामग्री सहित माँ भगवती के चित्रों, पूजा सामग्री व माताराानी की झांकियाँ सजाने के सामान की जोरदार बिक्री जोरो पर दिखाई दे रही है। वही दूसरी ओर हिन्दू धर्मावलंबियों में माँ भगवती के दर्शन, पूजन का उल्लास दिखाई दे रहा है। इस समय पड़ ही तेज धूप के चलते लोगों को गर्मी का अहसास होते हुये दिखाई दे रहा है । मगर तीन दिन पहले अचानक आसमान पर काले बादल छाने के बाद बारिश को लेकर आम लोगों सहित दुर्गा समितियों में भी चिंता देखने मिल रही है। क्योंकि जहां किसानों के खेतों में सोयाबीन फसल तैयार हो चुकी है यदि बारिश हुई तो वह खराब होने से नही बच पायेगी। इसी प्रकार से दुर्गा समितियों को भी बारिश को लेकर चिंता में देखा जा रहा है। अनेक जगहों पर खुले मैदान में देवी प्रतिमाओं की स्थापना की जाती है। यदि बारिश होती हे तो उनके द्वारा बनाई गई झांकिया खराब होने से नही बच पायेगी। खैर बारिश होने की उम्मीद कम ही की जा सकती है। इस तरह देखा जा रहा है कि तेज तपन के बीच रात के समय ठंडक से राहत मिल रही है। जिसके चलते लोगों में माँ जगत जननी के प्रति लोगों के उत्साह में कोई कमी दिखाई नही पड़ रही है और दुर्गोत्सव समितियों से जुडे युवा दुर्गा पंडालों को रोशनी से जगमगाने तथा माताराानी की प्रतिमाओं की स्थापना व माताओं, बहिनों को सुविधाएं देने की व्यवस्थाओं की तैयारियाँ करने में जुटे हुए देखे जा रहे है। वही दूसरी ओर नगर में जहां तहां बनाई जा रही प्रतिमाओं के निर्माण स्थलों पर लोगों को देवी प्रतिमाओं को स्थापना स्थल ले जाने के लिए भीड़ देखी गई। इसी के चलते ट्रेक्टर ट्रालियों से लेकर बड़े बड़े वाहनों में देवी प्रतिमाओं को ले जाने का सिलसिला देर रात तक जारी रहा। गौरतलब है कि आज रविवार को अश्विन मास की शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से शारदेय नवरात्र पर्व प्रारंभ हो रहा है, जिसमें इस बार 10 दिन तक चलने वाले नवरात्र से माँ भवानी के भक्तों को माताराानी के दर्शन, पूजन, उपासना तथा उन्हें जल अर्पित करने का सौभाग्य प्राप्त होगा। बताया जाता है कि इस वर्ष शारदेय नवरात्र के अवसर पर आज रविवार को शहर में लगभग 60 से अधिक स्थानों पर घट स्थापित कर माँ जगदम्बा की मनोहारी प्रतिमाएं स्थापित की जायेगी जिससे नगर व क्षेत्र पर बुरी नजर रखने वाले राक्षसों का माँ की शक्ति के चलते विनास हो जावेगा और माता रानी फिर एक बार क्षेत्रवासियों पर अपना आर्शीवाद बरसाते हुये नजर आवेगी। क्योकि माता के आर्शीवाद के चलते यह क्षेत्र सदा ही खुशहाली के बीच झूमते हुये नजर आता है और माँ क्षेत्रवासियों की रक्षा को लेकर सदा ही अपने मंदिर के द्वार खोलकर आर्शीवाद बरसाने में कोई कसर नही छोड़ती है। वही आज से देवी मंदिरों में माताराानी को जल ढारने वाली माताओं, बहिनों, पुरूष, युवाओं की भीड़ उमडेगी, वही घरों में भी व्रत रख श्रद्वालु माँ भवानी की पूजा, अर्चना कर उनका आर्शीवाद प्राप्त करेगे। उल्लेखनीय है कि ऊर्जा का उत्साह के शारदेय नवरात्र पर्व के हर दिन विशेष महा संयोग रहेगे, जिनमें माताराानी की भक्ति शुभ फलदायी रहेगी। विदित हो कि शारदेय नवरात्र पर्व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न होने के मद्देनजर नपा एवं पुलिस प्रशासन की ओर से चाकचौबंद व्यवस्थाएं रहेगी तथा समाजसेवी संस्थाओं द्वारा श्रद्वालुओं को प्रसाद व शुद्व पेयजल वितरित करने के लिए जगह जगह स्टाल लगाये जायेगे। शहर के विद्वान पंडितों का कहना है कि शारदेय नवरात्र माँ दुर्गा की साधना का पर्व है। इस पर्व में भक्तों को सांसारिक हलचलों से दूर रहकर माताराानी की आराधना में लीन रहना चाहिए तथा सुबह, शाम व रात में दुर्गा सप्तशती, दुर्गा चालीसा का पाठ कर माँ जगदम्बा को प्रसन्ना करना चाहिए। क्योंकि माँ भवानी के आर्शीवाद के चलते लोगों के अनेक संकट चंद मिनिटों में गायब हो जाते है। वही बताया जाता है कि इस वर्ष नवरात्र की शुभारंभ सोमवार के दिन से होने के साथ माँ दुर्गा हाथी पर सबार होकर आने को लेकर काफी शुभ बताया जात रहा है।

निर्मल ग्राम पंचायत सहावन सड़कों पर फैल रही गंदगी लगा रही सरकार के स्वच्छता अभियान को ग्रहण



हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। जहां एक ओर सरकार द्वारा पंचायतों के विकास को लेकर मनमानी राशि प्रदान करते हुये पंचायतों के विकास का सपना देखा जा रहा है तो दूसरी ओर जिन पंचायतों को निर्मल ग्राम पंचायत का दर्जा प्रदान किया गया है उन पंचायतों को स्वच्छता के नाम पर अतिरिक्त राशि प्रदान की जा रही है। मगर इसके बाद निर्मल घोषित पंचायतों की सच्चाई देखते हुये यह सबाल खड़ा होने से नही चूक पाता है कि आखिरकार इन पंचायतों को अधिकारियों द्वारा किन माप दंडो के आधार पर निर्मल ग्राम पंचायत का दर्जा प्रदान किया गया है..? वही दूसरी ओर बीते हुये लगभग साढ़े चार साल के कार्यकाल के दौरान पंचायत विकास के नाम पर जो राशि प्रदान की गई है उसका कहा उपयोग किया गया है यदि निष्ठा के साथ जांच हो जाती है तो निर्मल ग्राम पंचायत पर मलाई खाने वाले पंचायतों के जन प्रतिनिधियों से लेकर ब्लाक स्तर पर बैठे हुये अधिकारियों की पोल खुलने में कोई कसर बाकी नही रहेगी..? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई जनपद पंचायत चीचली के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत सहावन में देखने मिल रही है। कहने के लिये तो इस ग्राम पंचायत को निर्मल ग्राम पंचायत का दर्जा मिला हुआ है। मगर ग्राम की सड़को पर फैल रही गंदगी जहां पंचायत के स्वच्छता अभियान की पोल खोलने में कोई कसर नही छोड़ रही है..। वही दूसरी ओर सड़को के बीच भरा हुआ नालियों का गंदा पानी इस बात की ओर संकेत देते हुये जान पड़ रहा है कि कही ऐसा तो नही अब पंचायत द्वारा सड़क पर ही मछली पालन करने की तैयारियाँ की जा रही है...?

देश की राजधानी दिल्ली के विरोध प्रदर्शन का असर क्षेत्र में भी मिला देखने, महिला सरपंच की गिरफ्तारी पर कांग्रेस ने किया विरोध प्रदर्शन




हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। केन्द्र की सरकार सहित चुनावो को लेकर जिस तरह सच्चाई उजागर होते हुये देखी जा रही है उसके चलते आम जनता में रोष बढ़ने से नही चूक रहा है। इसी बात को लेकर देश की राजधानी दिल्ली के जंतर मंतर में चल रहे विरोध प्रदर्शन को लेकर जहां अनेक जगहों पर दिल्ली की ओर जाने वाली रेल गाडियों को बंद रखे जाने की खबर है तथा प्रदेश के अनेक शहरों से दिल्ली की ओर जाने वाले छात्र छात्राओं पर भी पुलिस द्वारा पैनी नजर रखते हुये उन्हें रोका जा रहा है। इसी के चलते बीते हुये दिवस सांईखेड़ा के समीप ग्राम मेहरागांव महिला सरपंच सहित उनके साथियों को दिल्ली में होने वाले विरोध प्रदर्शन में पहुंचने की संभावना के चलते पुलिस द्वारा पहले ही उनके घर से उठाकर ले गये जिसका न तो परिजनों को कोई पता चल रहा था कि कहा रखा गया है। इस तरह एक महिला सरपंच के साथ इस तरह का व्यवहार किये जाने की खबर जब कांग्रेस पार्टी को मिली तो कांग्रेस कमेटी जिला अध्यक्ष सुनीता पटैल सहित अन्य कांग्रेस नेताओं ने साईखेडा पुलिस थाने के सामने अपना विरोध प्रदर्शन करते हुये धरना दिया गया। इस मौके पर कांग्रेस नेत्री सुनीता पटैल द्वारा देश से लेकर प्रदेश की सत्ताधारी सरकार पर आरोप लगाते हुये कहा कि जहां एक ओर सत्ताधारी महिलाओं को देवी का दर्जा देते हुये उनकी सुरक्षा की बात करती है और दूसरी ओर महिलाओं के बोलने पर किस तरह से उन्हें घरों से गायब कराया जा रहा है इस बात की सच्चाई मेहरागांव सरपंच के रूप में सबके सामने है। हाल यह बना हुआ है कि सरकार द्वारा पूर्णरूप से तानाशाह रवैया अपनाते हुये लोगों को गुलाम बना डाला है जो अपनी मर्जी से न तो बोल सकते है और सरकार की मनमानी को न ही विरोध कर सकते है। हमारे क्षेत्र की महिला सरपंच को दिल्ली में होने वाले विरोध प्रदर्शन के पहले ही गायब करते हुये गिरफ्तार कर लिया गया। क्या यह लोकतंत्र की हत्या नही है..? इस तरह सत्ताधारी पार्टी के तानाशाही पूर्ण रवैया से अब जनता परेशान हो चुकी है। इस मौके पर अन्य नेताओं द्वारा भी कार्यक्रम को संबोधित करते हुये सरकार की मनमानी पर अपना रोष प्रकट किया गया।

पुलिस ने विभिन्न प्रकरणों में जप्त की 9 हजार लीटर से अधिक शराब का किया नष्टीकरण




हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। पुलिस द्वारा लगातार मुहिम चलाते हुये जप्त किये जाने वाली शराब का बीते हुये दिवस मा. न्यायालय के आदेश पर नगर निरीक्षक अशोक सिंह चौहान के नेतृत्व में नष्टीकरण किया गया। इस संबंध में बताया जाता है कि जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीना के निर्देशन में गाडरवारा पुलिस द्वारा अवैध शराब के विरुद्ध की गई कार्यवाही के गाडरवारा थाना अंतर्गत के विभिन्न प्रकरणों में जप्त शराब का नियमानुसार निराकरण किया गया। गाडरवारा पुलिस द्वारा विभिन्न प्रकरणों में जप्त की गई लगभग 9,079 लीटर देशी शराब का मा. न्यायालय के आदेश के परिपालन तथा नगर निरीक्षक अशोक सिंह चौहान के कुशल नेतृत्व में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार नष्टीकरण किया गया। इसके अतिरिक्त जप्त की गई 58 पेटी अंग्रेजी शराब आबकारी विभाग के सुपुर्द की गई। संबंधित प्रकरणों में जप्त शराब को नियमानुसार पुलिस अभिरक्षा में रखा गया था। वही मा. न्यायालय से नष्टीकरण संबंधी आदेश प्राप्त होने के पश्चात निर्धारित प्रक्रिया का पालन करते हुए देशी शराब का नष्टीकरण कराया गया। वहीं अंग्रेजी शराब को नियमानुसार आगे की कार्यवाही के लिए आबकारी विभाग को सौंपा गया। वही पुलिस द्वारा अवैध शराब के विरुद्ध की जाने वाली कार्यवाही के साथ-साथ विभिन्न प्रकरणों में जप्त सामग्री का विधिसम्मत निराकरण भी सुनिश्चित किया जा रहा है। इस कार्यवाही का उद्देश्य जप्त सामग्री का नियमानुसार निपटारा करना तथा संबंधित प्रकरणों में वैधानिक प्रक्रिया का पालन सुनिश्चित करना है।

पितृमोक्ष अमावस्या पर पुरखों को अंतिम जल तर्पण करते हुये लिया आशीर्वाद, नर्मदा से लेकर नदियों में देखने मिली जल तर्पण करने वालों की भीड़



हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। जिस प्रकार से कल कल शनिवार को समाप्त हुये पितृ पक्ष के चलते क्षेत्र के नर्मदा तटों के आलवा शहरों के साथ साथ ग्रामीण नदियों में भी अपने पितृों के अंतिम जल तर्पण करने वालों की दिन भर भीड़ देखने मिली। क्योंकि बीते हुये 15 दिनों से चल रहे पितृ पक्ष की समाप्ति बेला में बीते हुये कल शनिवार यानि की पितृमोक्ष अमावस्या के मौके पर निश्चित ही वह लोग पूरे एक साल के लिये अपने पितृों से जुदा होते हुये देखे जा रहे थें, जिन्होंने बीते हुये 15 दिनों तक अपने पूर्वजों की अच्छी सेवा करते हुये उनसे आर्शीवाद ग्रहण किया गया है वह निश्चित तौर से पितृ पक्ष के अंतिम दिवस यानि की पितृमोक्ष अमावस्या पर क्षेत्र की नर्मदा नदी के आलवा शहर की शक्कर नदी के अलावा समीपस्थ बारहाबडा के पास दुधी नदी सहित अन्य नदियो में विद्धमान पंडितों के मार्ग दर्शन में लोगों ने अपने पूरखों को अंतिम जल तर्पण करने के साथ उनका आर्शीवाद लेते हुये उन्हें विदाई दी गई, जिसके चलते दिन भर माँ नमर्दा सहित क्षेत्र के अन्य सभी नदियों में जल तर्पण करने वालों भीड़ भाड़ को आलम दिखाई देता रहा था। पितृपक्ष को लेकर विद्यवान कर्मकांडी ब्राम्हणों सहित गणेश प्रसाद ढिमोले का कहना है कि धर्मग्रंथों के अनुसार हर व्यक्ति को अपने पितरों का श्राद्ध एवं तर्पण करना चाहिए। इससे वे प्रसन्न होते हैं और वंशजों को आशीर्वाद देते हैं। मान्यता है कि गंगा जी के पावन तट सहित गया जी तथा ब्रह्म का पाली (पावन तीर्थ) में पिंडदान करना चाहिए। वही पिंडदान करने के बाद भी प्रत्येक वर्ष पितृपक्ष में तर्पण एवं श्राद्ध अवश्य करना चाहिए, जिससे पितृ दोष से मुक्ति मिलती है। यदि हम पूर्वजों से दूर होते हैं, पितृ कृपा नहीं रहती तो हमें उनके फलों के नुकसान उठाना पड़ता है। इसलिये सभी पीढ़ियों को पितृपक्ष में जल तर्पण कर्म एवं श्राद्ध अपनी श्रद्धा अनुसार अवश्य करना चाहिए। जिससे पितरों को मुक्ति मिले एवं वंशजों का आशीर्वाद सदा बना रहे।

सांदीपनि विद्यालय में इतिहास की विचार संगोष्ठी पर विद्यार्थियों ने साझा किए सिंधु सभ्यता के तथ्य

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा।




सेवा संकल्प कार्यक्रम के अंतर्गत बीते हुये दिवस सांदीपनि विद्यालय, साईंखेड़ा में इतिहास विभाग द्वारा विचार संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी में कक्षा 12वीं के सभी 55 विद्यार्थियों ने लगभग पांच हजार वर्ष पुरानी सिंधु सभ्यता और अपने पूर्वजों की गौरवशाली विरासत से जुड़ी जानकारियां अपने विचारों के माध्यम से साझा की गई। कार्यक्रम के सूत्रधार शिक्षक मनीष शंकर तिवारी ने पितृमोक्ष अमावस्या के अवसर पर आयोजित इस संगोष्ठी को हजारों वर्ष पुरानी सांस्कृतिक धरोहर और पूर्वजों के इतिहास को याद करने का महत्वपूर्ण अवसर बताया। वही संगोष्ठी में सिंधु सभ्यता की विशेषताओं, नगर नियोजन, रहस्यमयी लिपि, कृषि, पशुपालन से लेकर सभ्यता के पतन तक के विभिन्न पहलुओं पर विद्यार्थियों ने अपने विचार प्रस्तुत किए। इस दौरान रक्षा दांगी की टीम ने हड़प्पा सभ्यता के नगर नियोजन की विशेषताओं पर प्रकाश डाला। वहीं मानसी राजपूत की टीम ने सिंधु सभ्यता की रहस्यमयी लिपि से संबंधित जानकारी साझा की गई तो कुणाल, अनुराग और आयुष के साथ काजल, मानकुंवर, हेमंत एवं प्रशांत ने हड़प्पा युग में खेती और पशु पालन की व्यवस्थाओं के बारे में विस्तार से बताया। विद्यार्थियों की शानदार प्रस्तुतियों ने इतिहास के प्रति उनकी रुचि, अध्ययन और विषय की समझ को प्रदर्शित किया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संस्था के प्राचार्य ने कहा कि इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों में सीखने की ललक बढ़ाने के साथ उन्हें स्वयं को जानने और अपनी ऐतिहासिक विरासत को समझने का अवसर प्रदान करते हैं। भैयाराम अहिरवार ने संगोष्ठी को विद्यार्थियों के आंतरिक गुणों और व्यक्तित्व विकास की दिशा में एक अनूठा प्रयास बताया।शिक्षक सरदार सिंह राजपूत ने अपने उद्बोधन में इतिहास विषय के शिक्षक मनीष शंकर तिवारी एवं शिक्षिका आरती राजपूत के प्रयासों की प्रशंसा करते हुये उन्होंने विद्यार्थियों के आत्मविश्वास और प्रभावी प्रस्तुति की सराहना करते हुए इस प्रकार के आयोजनों को शैक्षणिक विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया।कार्यक्रम का संचालन मनीष शंकर तिवारी ने किया गया। इस अवसर पर भागीरथ प्रसाद, अर्चना तिवारी, कीर्ति चौबे, पुष्पा सिलावट, विनीता जाटव, विनीता तिवारी, रूप सिंह कुशवाहा सहित विद्यालय के अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

अब अपनी आवासीय संपत्ति का कानूनी अधिकार मिला, मंत्री राव उदय प्रताप सिंह ने स्वामित्व योजना की सौंपी ई रजिस्ट्री

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा।



अपनी आवासीय संपत्ति पर कानूनी अधिकार का प्रमाण मिलना प्रत्येक परिवार के लिए महत्वपूर्ण होता है। यह दस्तावेज न केवल संपत्ति के स्वामित्व को प्रमाणित करता है, बल्कि परिवार को सुरक्षा और विश्वास का आधार भी प्रदान करता है। प्रदेश शासन के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह के मुख्य आतिथ्य में बीते हुये दिवस जनपद पंचायत चीचली के अंतर्गत ग्राम पंचायत सूखाखैरी में आयोजित मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत जन संवाद शिविर में यह खास रहा, जब मंत्री सिंह के द्वारा अमथनू निवासी उत्तम करौड़ी को जिले की पहली स्वामित्व ई रजिस्ट्री सौंपी गई। स्वामित्व योजना के माध्यम से उत्तम करौड़ी को उनकी आवासीय संपत्ति के स्वामित्व का कानूनी दस्तावेज प्राप्त हुआ। यह पहल ग्रामीण आबादी क्षेत्रों में निवासरत परिवारों को उनकी संपत्ति के अधिकारों का अभिलेख उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। ग्रामीण क्षेत्रों में कई परिवार लंबे समय से अपनी आवासीय भूमि पर निवास करते हैं। स्वामित्व योजना के माध्यम से ऐसे परिवारों को उनकी आवासीय संपत्ति के अधिकार का अभिलेख उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। श्री उत्तम करौड़ी को जिले की पहली स्वामित्व ई रजिस्ट्री मिलने से उन्हें अपनी आवासीय संपत्ति के स्वामित्व का प्रमाण प्राप्त हुआ है। यह दस्तावेज संपत्ति संबंधी मामलों में उनके अधिकारों को प्रमाणित करने में सहायक होगा। स्वामित्व योजना का उद्देश्य ग्रामीण आबादी क्षेत्रों में संपत्तियों का सर्वेक्षण कर पात्र परिवारों को स्वामित्व संबंधी अभिलेख उपलब्ध कराना है। इससे संपत्ति की पहचान और स्वामित्व को लेकर स्पष्टता आती है तथा संपत्ति संबंधी विवादों की स्थिति में सहायता मिल सकती है। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत आयोजित जन संवाद शिविर के माध्यम से शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक सरलता और सुगमता से पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। इस प्रकार से जिले की पहली स्वामित्व रजिस्ट्री सौंपे जाने से ग्रामीण परिवारों को संपत्ति संबंधी अधिकारों के दस्तावेज उपलब्ध कराने की दिशा में हुई प्रगति सामने आई है। उत्तम करौड़ी को मिली यह स्वामित्व रजिस्ट्री ग्रामीण परिवारों के लिए अपनी आवासीय संपत्ति के अधिकार का प्रमाण प्राप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उदाहरण है। स्वामित्व योजना के माध्यम से ग्रामीणों को उनकी संपत्ति के अधिकारों के प्रति जागरूक करने और स्वामित्व संबंधी अभिलेख उपलब्ध कराने का मार्ग प्रशस्त होता है।

श्रीमद्भागवत कथा सप्ताह ज्ञान यज्ञ में गोवर्धन पूजा के महत्व पर प्रकाश डालते हुये किया मग्न मुग्ध

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। श्राद्ध पक्ष के पावन अवसर पर समस्त पितृजनों के मोक्ष एवं कल्याण हेतु नगर के बोदरी रोड स्थित माँ अन्नपूर्णा मंदिर के सामने भव्य संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा सप्ताह ज्ञान यज्ञ का आयोजन चल रहा है। इस मौके पर प्रतिदिन कथा मे शाम 3 बजे से 6 बजे तक वृंदावन धाम से पधारे सुप्रसिद्ध भागवताचार्य अभिमन्यु कृष्ण महाराज द्वारा प्रवचन सुनाये जा रहे है। प्रवचन के दौरान कथा वाचक का मुकेश बसेडिया तथा मधुसूदन पटैल,अनीश भार्गव द्वारा पुष्प वर्षा कर शाल के साथ शुकदेव सम्मान किया गया। वही कथा सुनाते हुये अभिमन्यु कृष्ण महाराज ने कहा कि वृंदावन में हर साल ब्रजवासी देवराज इंद्र को प्रसन्न करने के लिए एक बड़े उत्सव की तैयारी करते थे। ताकि क्षेत्र में अच्छी वर्षा हो सके और अन्न-धान्य की कोई कमी न रहे। एक बार बालकृष्ण ने अपने पिता नंद बाबा से पूछा कि यह उत्सव किसलिए हो रहा है तो नंद बाबा ने बताया कि यह वर्षा के देवता इंद्र की पूजा है, जो हमें पानी देते हैं। तब श्रीकृष्ण ने तर्क दिया कि इंद्र तो केवल अपना कर्तव्य निभाते हैं। हमारी आजीविका का मुख्य आधार गोवर्धन पर्वत और हमारे पालतू गोवंश (गाय) हैं, जो हमें चारा, फल, फूल और शुद्ध दूध प्रदान करते हैं। इसलिए हमें इंद्र के स्थान पर गोवर्धन पर्वत और प्रकृति की पूजा करनी चाहिए। बाल कृष्ण की बात मानकर समस्त ब्रजवासियों ने इंद्र की पूजा बंद कर दी और गोवर्धन पर्वत की पूजा का आयोजन किया। सभी ने मिलकर विभिन्न प्रकार के पकवान, मिठाइयां और अन्नकूट का भोग गोवर्धन पर्वत को लगाया। श्रीकृष्ण ने स्वयं एक विशाल रूप धारण कर उस भोग को ग्रहण किया और ब्रजवासियों को आशीर्वाद दिया। यह कथा हमें यह सिखाती है कि मनुष्य को प्रकृति पर्वत, नदियां, पेड़-पौधे और जीव-जंतु की पूजा और रक्षा करनी चाहिए क्योंकि वे हमारे जीवन का आधार है।

खबर संक्षेप

समाजसेवियों और पुलिस की पहल से चार माह बाद परिवार से मिली लापता महिला



शहपुरा। समाजसेवा और मानवीय संवेदनशीलता की मिसाल पेश करते हुए शहपुरा के समाजसेवियों एवं पुलिस प्रशासन ने संयुक्त प्रयासों से चार माह से लापता महिला को उसके परिवार से मिलाने में सफलता हासिल की है। महिला मध्यप्रदेश के होशंगाबाद जिले की बनखेड़ी तहसील अंतर्गत ग्राम अन्हाई की निवासी बताई जा रही है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, महिला पिछले करीब चार महीनों से अपने घर से लापता थी। परिजन उसकी तलाश में लगातार प्रयास कर रहे थे, लेकिन लंबे समय तक उसका कोई पता नहीं चल सका। इसी बीच महिला के संबंध में जानकारी मिलने पर शहपुरा के समाजसेवी अमित रजक और असलम खान ने पुलिस प्रशासन के सहयोग से उसे उसके परिजनों तक पहुंचाने की पहल की।इस पूरे प्रयास में पुलिस के प्रधान आरक्षक प्रवीण अवस्थी ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। समाजसेवियों और पुलिस की संयुक्त कोशिशों से महिला के परिवार का पता लगाया गया। आवश्यक प्रयासों के बाद महिला को उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया।

नरवाई जलाने की घटनाओं पर रोक लगाने 14 अक्टूबर को होगी उच्च स्तरीय बैठक

मण्डला। खरीफ फसल कटाई के दौरान खेतों में नरवाई जलाने की घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाने तथा राज्य स्तरीय नरवाई प्रबंधन योजना की समीक्षा के लिए 14 अक्टूबर 2026 को उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक की अध्यक्षता मध्यप्रदेश शासन के मुख्य सचिव करेंगे। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार बैठक अपराह्न 4 बजे मंत्रालय स्थित मुख्य सचिव के प्रतिकक्ष में आयोजित होगी। इसमें नरवाई जलाने की घटनाओं को रोकने के लिए प्रभावी कार्ययोजना तैयार करने तथा नरवाई प्रबंधन के उपायों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के समस्त संभागायुक्त, जिला कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक तथा मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी, मध्यप्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी एवं मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक शामिल होंगे। इसके अतिरिक्त कृषि उत्पादन आयुक्त, गृह, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, राजस्व तथा ऊर्जा विभाग के अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव एवं सचिव, पुलिस महानिदेशक और किसान कल्याण तथा कृषि विकास एवं कृषि अभियांत्रिकी विभाग के संचालक भी बैठक में सहभागिता करेंगे।

मानिकपुर में विधिक साक्षरता शिविर, ग्रामीणों को दी कानून की जानकारी

शहपुरा - ग्रामीणों को उनके कानूनी अधिकारों एवं विधिक प्रक्रियाओं की जानकारी देने के उद्देश्य से ग्राम मानिकपुर में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में आगामी नेशनल लोक अदालत के महत्व और उसके माध्यम से मामलों के निराकरण की प्रक्रिया के संबंध में ग्रामीणों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में न्यायाधीश कर्नल सिंह श्याम उपस्थित रहे। इस दौरान अधिवक्ताओं, पुलिस प्रशासन के अधिकारियों, विधिक सेवा समिति के कर्मचारियों सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने सहभागिता की।शिविर में न्यायाधीश कर्नल सिंह श्याम ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि कानूनी जानकारी के अभाव में कई बार लोग छोटे-छोटे विवादों में उलझ जाते हैं। ऐसे में विधिक साक्षरता शिविर लोगों को उनके अधिकारों और कानूनी विकल्पों से परिचित कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने नेशनल लोक अदालत के महत्व को समझाते हुए ग्रामीणों से इसका लाभ उठाने की अपील की। अधिवक्ताओं एवं विधिक सेवा समिति के सदस्यों ने बताया कि नेशनल लोक अदालत के माध्यम से आपसी सहमति से समझौता योग्य मामलों का निराकरण कराया जा सकता है। इनमें





दीवानी विवाद, शमनीय आपराधिक मामले, बैंक ऋण वसूली तथा बिजली-पानी के बिलों से संबंधित विवाद शामिल हो सकते हैं। लोक अदालत में समझौते के आधार पर पारित निर्णय अंतिम होता है और सामान्यतः उसके विरुद्ध अपील का प्रावधान नहीं होता। नियमानुसार मामलों के निपटारे पर न्यायालय शुल्क की वापसी का प्रावधान भी है।

साइबर अपराधों से बचाव और निःशुल्क कानूनी सहायता पर जोर

शिविर में पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों को छोटे-मोटे विवादों को आपसी बातचीत से सुलझाने, साइबर अपराधों से सतर्क रहने तथा आपात स्थिति में पुलिस की सहायता लेने के संबंध में जानकारी दी। वहीं, विधिक सेवा समिति के कर्मचारियों ने पात्र व्यक्तियों को शासन की निःशुल्क विधिक सहायता योजनाओं के बारे में बताया। इसका उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद लोगों को न्याय प्राप्त करने में सहायता उपलब्ध कराना है।कार्यक्रम के अंत में ग्रामीणों की कानूनी समस्याओं एवं शंकाओं का समाधान किया गया। ग्रामीणों ने शिविर की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन उन्हें कानून और अपने अधिकारों को समझने में मददगार साबित होते हैं। ये रहे उपस्थितः कार्यक्रम में न्यायाधीश कर्नल सिंह श्याम, अधिवक्ता हरिश्चन्द झारिया, अधिवक्ता निर्मल कुमार साहू, अधिवक्ता विनय झारिया, लिपिक महेंद्र कुडापे, शारदा नामदेव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

वन ग्रामों को राजस्व ग्राम बनाने की प्रक्रिया की समीक्षा



डिण्डौरी। जिले के 26 वनग्रामों को राजस्व ग्राम में परिवर्तित करने की प्रक्रिया को लेकर अपर कलेक्टर की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में संबंधित वनग्रामों में चल रही कार्यवाही की प्रगति और आवश्यक प्रक्रियाओं की विस्तार से समीक्षा की गई।बैठक में वन एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर वनग्रामों को राजस्व ग्राम में परिवर्तित करने से संबंधित कार्यों को आगे बढ़ाने पर चर्चा हुई। इस दौरान संबंधित ग्रामों के अभिलेखों, आवश्यक दस्तावेजों और प्रक्रियागत कार्यवाहियों की स्थिति की जानकारी ली गई।अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वन एवं राजस्व विभाग आपसी तालमेल के साथ कार्य करते हुए आवश्यक अभिलेखों और प्रक्रियाओं से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता दें, ताकि निर्धारित नियमों के अनुरूप 26 वनग्रामों को राजस्व ग्राम में परिवर्तित करने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जा सके।समीक्षा बैठक में एसडीएम बजाग, एसडीएम डिंडौरी, संयुक्त कलेक्टर, संबंधित तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार, पटवारी, बीट गार्ड, रेंजर तथा वन विभाग के एसडीओ सहित अन्य संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।बैठक का मुख्य उद्देश्य वनग्रामों को राजस्व ग्राम में परिवर्तित करने की प्रक्रिया में आ रही आवश्यकताओं की समीक्षा करना तथा संबंधित विभागों के बीच समन्वय के माध्यम से कार्यवाही को सुचारु रूप से आगे बढ़ाना रहा।

पॉलिटेक्निक महाविद्यालय में निबंध प्रतियोगिता आयोजित

डिंडौरी। शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय डिंडौरी में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत शनिवार को निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए 'विकसित भारत 2047: हमारी जिम्मेदारी' विषय पर अपने विचार निबंध के माध्यम से प्रस्तुत किए।प्रतियोगिता के लिए विद्यार्थियों को दो घंटे का समय निर्धारित किया गया था। इस दौरान प्रतिभागियों ने विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका, राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारियों तथा देश के उज्ज्वल भविष्य को लेकर अपने विचार व्यक्त किए। आयोजन का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में राष्ट्र



निर्माण के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करने के साथ उनमें जागरूकता और सकारात्मक दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करना रहा।प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान के लिए क्रमशः 2100 रुपये, 1100 रुपये और 500 रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान कर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में महाविद्यालय के लगभग 150 छात्र-छात्राओं एवं स्टाफ सदस्यों की उपस्थिति रही। प्रतियोगिता के समापन पर स्वल्पाहार की व्यवस्था की गई। अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

भाजपा जिला डिंडौरी की मासिक बैठक संपन्न



डिंडौरी। भारतीय जनता पार्टी जिला डिंडौरी की मासिक बैठक पं. दीनदयाल उपाध्याय परिसर स्थित भाजपा जिला कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक शाहपुरा विधायक एवं भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय मंत्री ओमप्रकाश धुर्वे के मार्गदर्शन तथा भाजपा जिलाध्यक्ष चमरू सिंह नेताम के नेतृत्व में संपन्न हुई।बैठक में संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा करते हुए पार्टी के आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही संगठन को और अधिक मजबूत एवं सक्रिय बनाने, पार्टी द्वारा निर्धारित कार्यक्रमों को समय-सीमा में पूरा करने तथा जनसंपर्क गतिविधियों को प्रभावी बनाने पर जोर दिया गया।

बैठक में केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाने और संगठन की नीतियों एवं कार्यक्रमों को जन-जन तक प्रसारित करने के संबंध में पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन दिया गया। उपस्थित पदाधिकारियों ने अपने संगठनात्मक दायित्वों का सक्रियता से निर्वहन करने तथा आपसी समन्वय के साथ पार्टी की गतिविधियों को आगे बढ़ाने का संकल्प व्यक्त किया।इस अवसर पर जिला महामंत्री लक्ष्मण ठाकुर एवं बद्री साहू, जिला उपाध्यक्ष ज्ञान दीप त्रिपाठी, महेश धूमकेती एवं दिलीप ताम्रकार, जिला मीडिया प्रभारी राज साहू, शोभित मरावी, सपना जैन, नरवदीया मरकाम, मालती तिवारी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष अंजू व्यवहार, मंडल अध्यक्ष आशीष वैश्य, अनिल साहू, आकाश नामदेव, शिवराम राजपूत, धीरेंद्र मरावी, भजन चक्रवर्ती, वर्षा कुशराम, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष कीर्ति गुप्ता, अनुसूचित जनजाति मोर्चा अध्यक्ष परशुराम नागेश, ओबीसी मोर्चा से राजकुमार मोगरे सहित मंडल महामंत्री भागीरथ उरेती, बबलू ठाकुर, बृजेश तिवारी एवं परसराम पाराशर सहित अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आधुनिक तकनीक, कला और नवाचार से रूबरू हुए नर्मदांचल विद्यापीठ के विद्यार्थी

शहपुरा - विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करने और उनकी रचनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से नर्मदांचल विद्यापीठ, बरगांव के 71 विद्यार्थियों ने 8 अक्टूबर को इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, डिजाइन एंड मैन्युफैक्चरिंग (IIITDM), जबलपुर का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने आधुनिक तकनीक, नवाचार और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों को करीब से समझा। भ्रमण के दौरान IIITDM जबलपुर के डीन प्रो. मुकेश रॉय के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों को संस्थान की शैक्षणिक एवं तकनीकी गतिविधियों की जानकारी दी गई। इस अवसर पर डॉ. अक्षय पांडेय, डॉ. शिवांश मिश्रा, नितिन नामदेव एवं अमित कश्यप ने भी विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया।विद्यार्थियों ने संस्थान में



उपलब्ध आधुनिक मशीनों और तकनीकी उपकरणों की कार्यप्रणाली को समझा। साथ ही तकनीकी ज्ञान के व्यावहारिक उपयोग के बारे में जानकारी प्राप्त की। भ्रमण के दौरान खेलकूद, कला, संगीत और विभिन्न क्लब गतिविधियां भी विद्यार्थियों के आकर्षण का केंद्र रहीं। संस्थान के विभिन्न क्लबों से जुड़े विद्यार्थियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए इन गतिविधियों की उपयोगिता से परिचित कराया।इस शैक्षणिक भ्रमण से विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान से आगे बढ़कर व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने का अवसर मिला। साथ ही उनमें नई तकनीकों के प्रति जिज्ञासा, रचनात्मक सोच, टीमवर्क और व्यक्तित्व विकास को प्रोत्साहित करने में भी यह भ्रमण उपयोगी रहा। नर्मदांचल विद्यापीठ, बरगांव की यह पहल विद्यार्थियों को अनुभवात्मक शिक्षा से जोड़ने तथा उनकी रुचियों और क्षमताओं को विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हुई।

स्वामित्व योजना से ग्रामीणों को मिलेगा संपत्ति का अधिकार, जिलेभर में फार्मर रजिस्ट्री का कार्य जारी



डिंडौरी। ग्रामीणों को राजस्व संबंधी सेवाएं गांव में ही उपलब्ध कराने और किसानों को शासकीय योजनाओं का लाभ सुगमता से दिलाने के उद्देश्य से जिले में सेवा संकल्प अभियान-2026 के तहत विभिन्न गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। इसी क्रम में देवपुर, समनापुर एवं अमरपुर में स्वामित्व योजना और फार्मर रजिस्ट्री से संबंधित शिविर आयोजित किए गए। वहीं जिलेभर में पटवारियों द्वारा फार्मर रजिस्ट्री, ई-केवाईसी एवं Farmer ID तैयार करने का कार्य निरंतर किया जा रहा है।शिविरों में स्वामित्व योजना से संबंधित आवेदनों के निराकरण के साथ ग्रामीणों को योजना की प्रक्रिया एवं इसके लाभों की जानकारी दी गई। इस योजना के माध्यम से ग्रामीण आबादी क्षेत्र में स्थित संपत्तियों का सर्वेक्षण कर पात्र हितग्राहियों को उनकी संपत्ति के अधिकार संबंधी अभिलेख उपलब्ध कराने की प्रक्रिया अपनाई जा रही है। इससे ग्रामीणों को अपनी संपत्ति के स्वामित्व का दस्तावेज प्राप्त करने में सहायता मिलती है। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित इन शिविरों का प्रमुख उद्देश्य ग्रामीणों को राजस्व सेवाओं के लिए अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर लगाने से राहत दिलाना तथा लंबित आवेदनों का समय पर निराकरण सुनिश्चित करना है। गांव स्तर पर सेवाएं उपलब्ध होने से ग्रामीणों को सुविधा मिल रही है।इसके साथ ही जिलेभर में पटवारी स्तर पर किसानों की फार्मर रजिस्ट्री, ई-केवाईसी और Farmer ID बनाने का कार्य भी जारी है। इसके माध्यम से किसानों का डिजिटल रिकॉर्ड तैयार किया जा रहा है, जिससे पात्र किसानों को विभिन्न शासकीय किसान हितैषी योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में सुविधा हो सके।जिले में संचालित इन गतिविधियों का उद्देश्य राजस्व सेवाओं को अधिक सुलभ बनाना, ग्रामीणों को संपत्ति संबंधी अधिकारों के दस्तावेज उपलब्ध कराने की प्रक्रिया को गति देना तथा किसानों का डिजिटल पंजीयन सुनिश्चित करना है।

शासकीय महाविद्यालय करंजिया में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

करंजिया। सेवा संकल्प अभियान के तहत शासकीय महाविद्यालय करंजिया में 9 अक्टूबर 2026 को सड़क सुरक्षा, साइबर अपराधों से बचाव तथा नारी सशक्तिकरण को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पुलिस विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने विद्यार्थियों को विभिन्न विषयों पर जानकारी देते हुए सुरक्षित और जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया।कार्यक्रम के दौरान नुक्कड़ नाटक के माध्यम से सड़क सुरक्षा का संदेश दिया गया। इसमें हेलमेट पहनने, यातायात नियमों का पालन करने, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग नहीं करने तथा निर्धारित गति सीमा के भीतर वाहन चलाने के महत्व को समझाया गया। साथ ही बताया गया कि यातायात नियमों की अनदेखी न केवल वाहन चालक, बल्कि अन्य लोगों के जीवन के लिए भी खतरा बन सकती है।इसके साथ ही साइबर अपराधों से बचाव और महिलाओं की सुरक्षा एवं अधिकारों के प्रति जागरूकता पर विशेष जोर दिया गया। पुलिस अधिकारियों ने विद्यार्थियों को ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल, संदिग्ध लिंक और सोशल मीडिया के दुरुपयोग से बचने के उपाय बताए। उन्होंने ओटीपी, बैंक खातों से संबंधित जानकारी और निजी विवरण किसी अनजान व्यक्ति के साथ साझा नहीं करने की सलाह दी।कार्यक्रम में एएसआई धनुषधारी नेटी, प्रधान आरक्षक संगीता उइके, एसएसपीओ प्रियंका सारिया एवं जी. टेकाम ने विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा, महिला सशक्तिकरण और सुरक्षित सामाजिक व्यवहार के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी। इस दौरान आपातकालीन सहायता के लिए 112, साइबर वित्तीय धोखाधड़ी की शिकायत के लिए 1930 तथा बच्चों की सहायता के लिए चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 की जानकारी भी दी गई। साथ ही महिला हेल्पलाइन से संबंधित



आवश्यक जानकारियां साझा की गईं।महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राकेश सिंह परास्ते ने ऐसे कार्यक्रमों को विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और सामाजिक जागरूकता के लिए महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करने, साइबर अपराधों के प्रति सतर्क रहने तथा महिलाओं की सुरक्षा और अधिकारों का सम्मान करने की आवश्यकता पर बल दिया।कार्यक्रम में सहायक प्राध्यापक नरसिंह, कार्यक्रम प्रभारी सहायक प्राध्यापक हरीश कुशवाह, डॉ. प्रीति पांडे सहित महाविद्यालय के अन्य कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। डॉ. प्रीति पांडे ने कार्यक्रम का समापन किया।सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करना, सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना, साइबर अपराधों से बचाव के उपायों की जानकारी देना तथा महिला सुरक्षा एवं सशक्तिकरण के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करना रहा। यह आयोजन विद्यार्थियों और आमजन को जागरूक करने की दिशा में एक सार्थक पहल साबित हुआ।

हरिभूमि
नर्मदा भूमि
[करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल]
12
जबलपुर, रविवार 11 अक्टूबर 2026
login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

आध्यात्मिक ऊर्जा आत्म शुद्धि के साथ शक्ति की आराधना का पर्व शारदीय नवरात्र आज से

तेंदूखेड़ा। हमारी धार्मिक मान्यता के अनुसार शारदीय नवरात्रि शक्ति की आराधना के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण और भव्यता के साथ मनाए जाने वाला पर्व है। आश्विन माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से लेकर नवमी तक 9 दिनों का यह पर्व दसवें दिन विजयादशमी दशहरा के साथ सभी हिंदू सनातनी बड़ी धूमधाम से मनाते हैं। नवरात्र पर्व शक्ति की उपासकों को आत्म शुद्धि मानसिक एकाग्रता नियम संयम के साथ व्रत ध्यान आराधना उपासना के साथ सात्विक आहार के माध्यम से शारीरिक ऊर्जा और मानसिक ऊर्जा का संचरण करते हैं।

आयुर्वेद और विज्ञान सम्मत भी है शारदीय नवरात्र पं पचौरी

शक्ति की उपासना के लिए विशेष रूप से वर्ष में दो गुप्त नवरात्रि और दो प्रकट नवरात्रि मनाई जाती हैं। शारदीय नवरात्र का समय वर्षा ऋतु की समाप्ति के बाद शरद ऋतु के मध्य काल में आता है मौसम के बदलाव के साथ बीमारियों से शरीर की सुरक्षा और शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता को बनाए रखने के लिए संयमित दिनचर्या उपवास आयुर्वेद आधारित पौष्टिक फलाहार आदि को लाभकारी माना जाता है। हमारे क्षेत्रीय विद्वान पौरोहित्य कर्मकांड स्नातक आचार्य चतुष्टय वेदाचार्य पुराणाचार्य व्याकरण एवं ज्योतिषाचार्य प्रमोद पचौरी ने हमारे प्रतिनिधि को नवरात्रि पर्व के बारे में बताया कि नवरात्रि में भगवती शक्ति के शैलपुत्री ब्रह्मचारिणी चंद्रघण्टा कूष्माण्डा स्कंदमाता कात्यायनी कालरात्रि महागौरी और सिद्धिदात्री आदि नौ रूपों की विधि विधान से पूजा आराधना की जाती है।विविध प्रकार की सजावट के साथ पंडालों में देवी के सुंदर स्वरूपों को विराजमान कर वेद विधि से पूजन अर्चन और सांस्कृतिक कार्यों के माध्यम से सामाजिक एकता और समरसता को बनाए रखने में भी इन पर्वों का विशेष योगदान है।

मुख्यमंत्री सांदीपनि विद्यालय के नवीन भवन का करेंगे लोकार्पण

विकास कार्यों का होगा लोकार्पण एवं भूमिपूजन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार को नरसिंहपुर में आयोजित कार्यक्रम में शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) के अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2024-25 की फीस प्रतिपूर्ति के लिए 502 करोड़ रुपये की राशि सिंगल क्लिक के माध्यम से अंतरित करेंगे। इस राशि से प्रदेश के 20 हजार 456 अशासकीय स्कूलों को फीस प्रतिपूर्ति की राशि प्राप्त होगी, जिससे 8 लाख 19 हजार से अधिक विद्यार्थियों को निरूशुल्क शिक्षा उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव नरसिंहपुर में लगभग 42.52 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित शासकीय सांदीपनि उत्कृष्ट विद्यालय के नवीन भवन का लोकार्पण भी करेंगे। साथ ही विद्यालय को प्राप्त 15 बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। इस दौरान विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन करेंगे। कार्यक्रम में जिले में सड़क, शिक्षा, पेयजल और स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार से जुड़े कुल 175.14 करोड़ रुपये के 31 विकास कार्य शामिल हैं। इनमें 80.70 करोड़ रुपये के 10 कार्यों का लोकार्पण तथा 94.44 करोड़ रुपये के 21 कार्यों का भूमिपूजन किया जाएगा।

विद्यालय में 2,400 विद्यार्थियों की क्षमता

नरसिंहपुर स्थित शासकीय सांदीपनि उत्कृष्ट विद्यालय का नवीन भवन लगभग 42.52 करोड़ रुपये की स्वीकृत लागत से निर्मित किया गया है। चार मंजिला इस भवन की क्षमता 2,400 विद्यार्थियों की है। लोक निर्माण विभाग, नरसिंहपुर के अंतर्गत कार्यपालन यंत्री (भवन) के माध्यम से इसका निर्माण कराया गया है। विद्यालय में विद्यार्थियों की शैक्षणिक, प्रयोगात्मक, रचनात्मक और सह-शैक्षणिक गतिविधियों के लिए आधुनिक सुविधाएं विकसित की गई हैं। भवन में ब्लॉक-ए, ब्लॉक-बी, मिडिल स्कूल तथा 340 व्यक्तियों की क्षमता वाला मल्टीपरपज हॉल बनाया गया है। भू-तल पर आठ कक्षाओं के साथ आर्ट एवं क्राफ्ट रूम, डांस रूम और म्यूजिक रूम की व्यवस्था की गई है। प्रथम तल पर 16, द्वितीय तल पर 26 और तृतीय तल पर 12 कक्षाएं निर्मित की गई हैं। इस प्रकार विद्यालय में अध्ययन एवं विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों के संचालन के लिए पर्याप्त स्थान उपलब्ध कराया गया है।



विद्यार्थियों को मिलेगी सुविधा

विद्यार्थियों को आधुनिक एवं गतिविधि आधारित शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए विद्यालय में कंप्यूटर, साइंस, मैथ्स और वोकेशनल लैब सहित विभिन्न प्रयोगशालाओं का प्रावधान किया गया है। तृतीय तल पर जीव विज्ञान, रसायन विज्ञान एवं भौतिक विज्ञान की प्रयोगशालाएं बनाई गई हैं। विद्यार्थियों के अध्ययन और ज्ञानवर्धन के लिए पुस्तकालय के लिए अलग कक्ष भी उपलब्ध कराया गया है। विद्यालय भवन में प्राचार्य एवं उप प्राचार्य कक्ष, मीटिंग हॉल, स्टाफ रूम, रिकॉर्ड रूम, परीक्षा कक्ष और काउंसलर रूम सहित आवश्यक प्रशासनिक कक्ष बनाए गए हैं। प्रत्येक तल पर बालक-बालिकाओं एवं दिव्यांगजनों के लिए प्रसाधन तथा सभी तलों पर पेयजल और विद्युत सुविधाओं की व्यवस्था की गई है।

खेलकूद व सुरक्षित आवागमन पर विशेष ध्यान

विद्यार्थियों के शारीरिक विकास एवं खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए विद्यालय परिसर में बाहरी खेल मैदान के साथ बास्केटबॉल और वॉलीबॉल मैदान विकसित किए गए हैं। परिसर में सीसी रोड, लैंडस्केपिंग, रेन वाटर हार्वेस्टिंग और जल निकासी के लिए नाली निर्माण जैसे कार्य भी किए गए हैं। विद्यालय की सुरक्षा एवं सुव्यवस्थित आवागमन के लिए बाउंड्रीवॉल, गार्ड रूम और दो मुख्य द्वार बनाए गए हैं। आधुनिक शैक्षणिक वातावरण के सकारात्मक परिणाम भी सामने आए हैं। शैक्षणिक सत्र 2025-26 में इसी विद्यालय की छात्रा कु. माही साहू ने कक्षा 12वीं की मेरिट सूची में स्थान प्राप्त कर विद्यालय एवं जिले का मान बढ़ाया है। जारी दौरा कार्यक्रम के अनुसार रविवार 11 अक्टूबर को स्टेट हैंगर भोपाल से हेलीकॉप्टर से प्रात 11 बजे प्रस्थान कर प्रात 11:55 बजे नरसिंहपुर के खैरी में बनाए गए हेलीपेड आएंगे। इसके उपरांत यहां आयोजित स्थानीय कार्यक्रम में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव दोपहर दो बजे हेलीपेड खैरी से हेलीकॉप्टर के द्वारा भोपाल के लिए प्रस्थान करेंगे।

नवरात्रि में सुबह 5 से 9 बजे तक रेलवे लाइन किनारे वाले मार्ग पर वाहन लाने से बचें

गोटेगांव। नवरात्रि पर्व के दौरान सिंह वाहिनी मंदिर में श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए सिंह वाहिनी सेवा समिति ने भक्तों से यातायात व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग की अपील की है। समिति ने श्रद्धालुओं से सुबह 5 बजे से 9 बजे तक रेलवे लाइन किनारे वाले मार्ग से वाहन लेकर मंदिर नहीं आने का आग्रह किया है।

समिति के अनुसार, इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु नंगे पैर पैदल चलकर माता रानी के दर्शन के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में रेलवे लाइन किनारे वाले मार्ग पर वाहनों की आवाजाही से भक्तों को असुविधा हो सकती है। इसे देखते हुए वाहन से आने वाले श्रद्धालु बरोदा रेलवे फाटक वाले मार्ग का उपयोग करें, ताकि पैदल आने वाले भक्तों को परेशानी न हो।

मंदिर में प्रतिदिन सुबह 6:30 बजे आरती होगी। समिति ने सभी श्रद्धालुओं से निर्धारित मार्ग का उपयोग करने और व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की है।

समिति ने कहा कि भक्तों के सहयोग से नवरात्रि के दौरान माता रानी के दर्शन सुगम, सुरक्षित और व्यवस्थित बनाए जा सकेंगे।

लोकतंत्र और संविधान पर हो रहा हमला- पूर्व विधायक



गोटेगांव। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के साथ दिल्ली पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई के विरोध में ब्लॉक कांग्रेस का गुस्सा फूट पड़ा। गुरुवार को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने जोरदार विरोध प्रदर्शन करते हुए रिपटा कार्यालय से फुहारा चौक तक कैंडल मार्च निकाला ! मशालों और नारेबाजी के साथ कांग्रेस कार्यकर्ता शहर की सड़कों पर उतरे। फुहारा चौक पर पहुंचकर कार्यकर्ताओं ने दिल्ली पुलिस की कार्रवाई की कड़ी निंदा की और इसे लोकतंत्र की आवाज को दबाने की साजिश बताया। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष द्वारका सिंह राजपूत ने कहा कि राहुल गांधी लगातार बेरोजगारी, महंगाई और वोट चोरी जैसे जनमुद्दे उठा रहे हैं। उनकी आवाज को रोकने के लिए सत्ता के इशारे पर पुलिस का दुरुपयोग किया जा रहा है, जिसे कांग्रेस कतई बर्दाश्त नहीं करेगी। पूर्व विधायक शेखर चौधरी ने कहा कि लोकतंत्र और संविधान पर हमला हो रहा है, कांग्रेस सड़क से सदन तक लड़ाई लड़ेगी।प्रदर्शन के दौरान उनकी रही मुख्य भूमिका नरेश बिलावर, लखन बिलवार, सुरेश चंद्र अग्रवाल, अरविंद पटेल, दीपक जैन, नरसिंह महाराज, आशीष राय, सूरज राजपूत, आशीष तिवारी, बल्लू जैन, समीर सिद्दीकी, मीनू राजपूत, मुकेश सोनी, प्रमोद ठाकुर, सजल सोनी, मोहन बिलवर, गोलू पटेल, मुकेश पेंटर, विवेक नामदेव, अजीत पटेल, वीरेंद्र पटेल, तारीख खान, छतर सिंह, रुपेश पटेल, रिमझा, रतन पटेल, बढ़ियाखेड़ा, सत्तु पटेल, रिमझा, दिलीप नायक, उमरिया, गुड्डू पटेल, उमरिया, कोमलचंद जैन सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अजब गोटेगांव की गजब कहानीः बापू के तीन बंदर और करोड़ों की धंसी हुई सड़क



गोटेगांव। यूँ ही थोड़ी हर अधिकारी की 'सपनों की पोस्टिंग' है। किसी भी विभाग का साहब हो, नरसिंहपुर जिले में गोटेगांव अपना ट्रांसफर करवाने के लिए एक पैर पर खड़ा रहता है। आखिर क्यों न रहे? यहाँ का सिस्टम और जनता, दोनों ने महात्मा गांधी के तीनों बंदरों के नियम को पूरी निष्ठा से अपने जीवन में उतार लिया है। भ्रष्टाचार मत देखो, जनता की तकलीफें मत सुनो, और व्यवस्था के खिलाफ कुछ मत बोलो! इस शानदार 'गांधीवादी' मॉडल का ताजा उदाहरण गोटेगांव-नरसिंहपुर (सांकल मार्ग) पर देखने को मिला है। करोड़ों रुपयों की लागत से बनी चमचमाती सड़क अचानक जमीन में धंस गई। शायद विकास का वजन इतना ज्यादा था कि बेचारी सड़क सह नहीं पाई और भ्रष्टाचार के बोझ तले शर्म से गड़ गई!

अब सबसे बड़ा सवाल उठता है कि इस करोड़ों के गोलमाल का दोषी कौन है?

जवाब हैः कोई नहीं! क्योंकि सबने अपनी आँखें बंद कर रखी हैं।

लेकिन इस पूरी प्रक्रिया में पिस कौन रहा है?

जवाब हैः हमेशा की तरह आम जनता।

लेकिन गोटेगांव की जनता की भी दाद देनी पड़ेगी। कल ही सोशल मीडिया पर मध्य प्रदेश की ऑफीशियली साइट से एक पोस्टर जारी होता है कि जबलपुर नरसिंहपुर और पिपरिया मार्ग का कार्य पूर्ण हुआ लोगों ने आपस में तो बात की लेकिन खूब मजे लूटे पर आवाज उठाने की किसी को जरूरत ही नहीं पड़ी । क्योंकि हम लोग तो गांधी वादी है। इस 'गांधीवाद' का ऐसा शानदार चोला ओढ़ रखा है कि मजाल है कोई विरोध में एक शब्द भी बोल दे। सड़क धंस गई, रुड कागज पर बन गई टैक्स का पैसा मिट्टी में मिल गया, गाड़ियों के सस्पेंशन और लोगों की कमर टूट गई, लेकिन हम ठहरे पक्के शांतिदूत। हम न सवाल पूछेंगे, न आवाज उठाएंगे। बस धंसी हुई सड़क को देखकर मुस्कुराएंगे और चुपचाप किनारे से निकल जाएंगे। सच में, ऐसा 'शांतिपूर्ण', 'सहनशील' और 'एडजस्ट' करने वाला शहर दुनिया में कहीं और नहीं मिलेगा। अधिकारियों को गोटेगांव आना ऐसे ही थोड़ी पसंद है।

शारदेय नवरात्र का आरंभ आज से



हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। आज से शारदेय नवरात्र प्रारंभ हो रहे है वही नगर में घरों घर साफ सफाई के साथ माताराणी के आगमन की तैयारी पूर्ण कर ली गई है एवं भाव. भक्ति के साथ नौ दिन माता का पूजन अर्चन किया जावेगा। भक्तों द्वारा माता रानी की प्रतिमा विराजमान करने के लिये मनमोहक झांकिया के साथ पंडाल सजायें जा रहे। वही मां की प्रतिमाओं के निर्माता कलाकरों द्वारा भी अंतिम स्वरूप देने की तैयारी जोरो पर है। शारदेय नवरात्र के पथम दिवस मां शैलपुत्री का पूजन अर्चन किया जावेगा। वही कुछ मंडलों द्वारा माता की जोरदार आगवानी की गई। जिले भर में नवरात्रि की गूंज सुनाई दे रही है।

शिवजी ट्रस्ट की 18 एकड़ जमीन पुजारी से मुक्त कराने सौंपा ज्ञापन





जमीन नीलामी कर मंदिर निर्माण में आय लगाने की मांग

तेंदूखेड़ा। चांवरपाठा विकासखंड के अंतर्गत आने वाले ग्राम दमोहिया में स्थित शिवजी ट्रस्ट की बेशकीमती जमीन को लेकर बड़ा विवाद सामने आया है। गांव के किसानों और ग्रामीणों ने अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कार्यालय पहुंचकर एसडीएम को ज्ञापन सौंपा है। जिसमें मंदिर के वर्तमान पुजारी पर ट्रस्ट की करीब 18 एकड़ जमीन पर अवैध रूप से काबिज होने व उसका निजी उपयोग करने का आरोप लगाया है। ग्रामीणों का कहना है कि ट्रस्ट की जमीन का निजी उपयोग कर नियमों का खुला उल्लंघन किया जा रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि उनके पूर्वजों द्वारा मंदिर के नाम 18 एकड़ भूमि दान दी गई थी ताकि उससे होने वाली आय से मंदिर का समुचित रखरखाव और निर्माण कार्य हो सके। लेकिन वर्तमान पुजारी ने फर्जी तरीके से जमीन में अपना नाम जुड़वा लिया और पूरी संपत्ति का निजी उपभोग कर रहे हैं। ग्रामीणों ने मांग की है कि पुजारी का नाम रिकॉर्ड से काटा जाए और जमीन की खुली व विधिवत नीलामी कराई जाए जिससे प्राप्त राशि से मंदिर का भव्य निर्माण हो सके।

वर्ष 2018 में जारी हुआ था निजी उपयोग पर रोक का आदेश

मामले में प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार एसडीएम कोर्ट द्वारा वर्ष 2018 में ही यह स्पष्ट आदेश जारी किया जा चुका है कि ट्रस्ट की संपत्तियों का कोई भी व्यक्ति निजी उपयोग नहीं कर सकता। ग्रामीण अब इसी आदेश के कड़ाई से पालन की मांग को लेकर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कार्यालय पहुंचे हैं। प्रशासन ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया है कि ट्रस्ट की संपत्ति का केवल बायलॉज के तहत सामूहिक हित में ही उपयोग सुनिश्चित कराया जाएगा।

इनका कहना है

दमोहिया गांव के कुछ किसान शिकायत लेकर आए थे। जिनका कहना है कि वहां शिवजी के ट्रस्ट की जमीन का वर्तमान पुजारी द्वारा निजी उपयोग किया जा रहा है। जो बायलॉज के खिलाफ है। वर्ष 2018 में एसडीएम कोर्ट से आदेश हो चुका है कि ट्रस्ट की संपत्तियों का निजी प्रयोग नहीं होगा। ग्रामीण उसी आदेश के पालन और नीलामी की मांग को लेकर आए थे। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि ट्रस्ट की संपत्ति का बायलॉज के तहत सामूहिक उपयोग ही हो। निजी प्रयोग बिल्कुल न किया जाए।

शानू चौधरी एसडीएम राजस्व तेंदूखेड़ा

दमोहिया गांव में हमारे पूर्वजों द्वारा शिव मंदिर के लिए 18 एकड़ जमीन लगाई गई थी। उस जमीन का पुजारी द्वारा निजी उपयोग कर दुरुपयोग किया जा रहा है। हमारी मांग है कि उस 18 एकड़ जमीन की खुली नीलामी हो जिससे जो पैसा आए वह मंदिर के निर्माण कार्य में उपयोग हो सके। प्रशासन से अब तक इस पर सख्त कार्रवाई नहीं हुई है, हम निष्पक्ष कार्रवाई चाहते हैं।

राहुल पटेल ग्रामीण दमोहिया

हमारे पूर्वजों ने दमोहिया के देव शंकर जी मंदिर के नाम 18 एकड़ जमीन लगाई थी। उस पर रखे गए पुजारी ने फर्जी तरीके से अपना नाम जुड़वा लिया और जमीन पर कब्जा कर दुरुपयोग कर रहा है। हम चाहते हैं कि उसका नाम वहां से काटा जाए। सर्वसम्मति व विधिवत रूप से जमीन की नीलामी कराई जाए और ट्रस्ट के सहयोग से मंदिर का निर्माण कार्य पूरा कराया जाए।

संतोष पटेल दमोहिया

लोड सेटिंग के नाम पर बिजली की अघोषित कटौती से उपभोक्ताओं में रोष

तेंदूखेड़ा। इन दिनों तेंदूखेड़ा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम डोभी सहित आस पास ग्रामीण क्षेत्रों में अघोषित विद्युत कटौती से ग्रामीण परेशान है। लोड सेटिंग के नाम से विद्युत कटौती हो रही है। जिससे आम उपभोक्ताओं में नाराजगी देखने को मिल रही है। लोगों का कहना है कि शक्ति साधना का महापर्व शारदीय नवरात्रि पर्व प्रारंभ हो चुका है। श्रद्धालु जन सुबह जल्दी उठकर माता रानी के दरबारों में पहुंच कर जलाभिषेक पूजन अर्चन करेंगे साथ ही रात्रि के समय संगीतमय आरतियों में बड़ी संख्या में शामिल होंगे। इसमें बड़ी संख्या में महिला श्रद्धालु छोटे छोटे बच्चों के साथ शामिल होंगी सुरक्षा की दृष्टि से और स्नान रोज मर्रा की गतिविधियों से निवृत होकर मंदिरों में जायेंगे। इसलिए बिजली कटौती होना अनुचित है। बार बार बिजली गुल होने फिर फेस की समस्या को लेकर लो वोल्टेज जैसी समस्याओं से उपभोक्ता परेशान होंगे। ग्राम डोभी के संदीप पटेल अमित सोनी विधाता जैन ने बिजली की अघोषित कटौती को लेकर स्पष्ट किया कि कि शारदीय नवरात्रि पर्व के दौरान कटौति होना अनुचित है महिलाओं को सुबह जल्दी उठकर स्नान करने पूजन अर्चन जलाभिषेक करने के जाने शाम के समय जल्दी भोजन पानी से निवृत्त होकर माता रानी की आरतियों में शरीक होंगे ऐसी स्थिति में बिजली की अघोषित कटौती उनकी पूजन अर्चन में वाधा उत्पन्न करेगी जिसमें श्रद्धालुओं में रोष देखने को मिल रहा है।साथ ही तेज गर्मी के बीच मच्छरों का दंश लोगों को रात में चैन से सोने नहीं दे रहा है। दिन में स्कूल के विद्यार्थी परेशान शासकीय कार्य करने में असुविधा व्यापारी परेशान किसान परेशान गृहणी महिलाएं भी अपना काम बिना बिजली के करने में असमर्थ है। अघोषित बिजली कटौती से बेहत चिंतित एवं नाराज नजर आ रहे है। ग्राम डोभी के समस्त ग्रामीणों ने विद्युत विभाग के उच्च वरिष्ठ अधिकारियों से माँग की है कि इस अधाधुंध बिजली कटौती को बंद किया जाए। ताकि जनमानस को चैन मिल सके। एवं बिजली से संबंधित सभी कार्य पूर्ण कर सके।

सज गये माता रानी के पंडाल

आज से शुरू हो रहा शारदीय नवरात्रि

तेंदूखेड़ा। आज से शक्ति साधना का महापर्व शारदीय नवरात्रि पर्व प्रारंभ हो रहा है।जिसकी तैयारियों के लिए लेकर तेंदूखेड़ा सहित आस पास ग्रामीण क्षेत्रों में माता रानी की स्थापना के लिए दुर्गोत्सव समीतियों के द्वारा व्यापक स्तर पर तैयारियां की गई है। जगह-जगह माता रानी के पंडाल बनाये गये हैं।नवयुवक अपने अपने स्तर से विशेष साज सज्जा में की गई है।दुर्गोत्सव को धूमधाम से मनाये जाने को लेकर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की तैयारी की जा रही है।

आकर्षक मूर्तियां लाने ले जाने का क्रम जारी

माता रानी की आकर्षक प्रतिमाओं को लाने ले जाने का क्रम जारी बना हुआ है। तेंदूखेड़ा से आस पास ग्रामीण क्षेत्रों में दुर्गा प्रतिमाएं श्रद्धालु ले जा रहे हैं। जबकि तेंदूखेड़ा की समीतियां बाहर बड़े बड़े शहरों से प्रतिमायें लेकर आ रहे हैं।एक दिन पूर्व से ही जबलपुर नरसिंहपुर करेली आमंगाव से प्रतिमायें आ रहीं हैं।इस बार कृषि उपज मंडी में दमोह से विशाल प्रतिमा लाई गई हैं। वहीं तेंदूखेड़ा में बागदाने स्थान पर महाकाली की प्रतिमा विराजित की जा रही है।जिसकी समीति के व्यवस्थापकों द्वारा व्यापक स्तर पर तैयारी की गई है।

देवी दरबारों विशेष साज सज्जा

नगर के प्रतिष्ठित देवी मठों में विशेष साज सज्जा की गई है। मुख्य रूप से प्रतिष्ठित सिद्ध पीठ हरसिद्धि मंदिर सिंह बाहिनी मंदिर बीजासेन मंदिर काली मठ और खेरापति मंदिरों में श्रद्धालु जन बड़ी संख्या में पहुंचा करते हैं। यहां पर विद्युत साज सज्जा के मठों में कलश स्थापना और अखंड ज्योति अनुष्ठान हुआ करते हैं। सुबह होते ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु माता रानी के दर्शन करने के लिए पहुंचेंगे।

बागदाने पर महाकाली की स्थापना

नगर में मुख्य रूप से दस स्थानों पर दुर्गा प्रतिमाएं विराजित की जाती है। और विविध धार्मिक आध्यात्मिक सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित हुआ करते हैं।इसी श्रंखला के चलते कृषि उपज मंडी समीति द्वारा इस वर्ष दमोह जिले से विशाल प्रतिमा बुलाई गई है। वहीं नगर के गांधी चौक नगरिया मंदिर नायक मंदिर टाल मुहल्ला पी डब्ल्यू डी कालौनी वार्ड क्रमांक 11 एन एच 45 नटराज हरसिद्धि मंदिर कल्याण बाबा सहित बागदाने दुर्गा मंडल द्वारा काली माई की स्थापना की जायेगी। जहां पर विशेष पूजन अर्चन विद्वान पंडितों पंडों के द्वारा की जाती है।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों में जुटेंगे स्कूली बच्चे

माता रानी की साधना आराधना में लगभग हर वर्ग के लोग अपने अपने स्तर से संलग्न रहा करते हैं।उसी श्रंखला में नगर की गांधी चौक नव दुर्गोत्सव समिति के द्वारा नगर की सभी शैक्षणिक संस्थाओं के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। जिसमें प्रत्येक दिवस अलग-अलग दिवसों में बच्चों द्वारा उत्कृष्ट प्रस्तुतियां दी जाती है। जिसमें बड़ी संख्या में दर्शक उपस्थित हुआ करते हैं।



